मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHN–004

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन)

(एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.एन.-004 : तत्त्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***हिन्दी*** *अथवा* ***अंग्रेजी*** *अथवा* ***संस्कृत*** *में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* $3 \times 20 = 60$

1. रामानुजाचार्य के विशिष्टाद्वैत मत की विवेचना कीजिए।

2. भारतीय दर्शन में ब्रह्म की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

3. योगदर्शन में निरूपित परमात्मा के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

4. काश्मीर शैव दर्शन के अनुसार सृष्टि-क्रम की व्याख्या कीजिए।

5. मानव जीवन में कालतत्व का क्या महत्व है ? व्याख्या कीजिए।

6. वाक् के ब्रह्म, विष्णु व रुद्र स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. देव्यधर्वशीर्ष के अनुसार स्त्रीतत्व पर प्रकाश डालिए।

2. सिख परम्परा में स्त्री विषयक मान्यताओं की समीक्षा कीजिए।

3. पुरुष सूक्त में प्रतिपादित वर्णव्यवस्था का आशय स्पष्ट कीजिए।

4. आगम और निगम में समन्वय के बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए।

5. भगवद्गीता के महत्व का सम्यक् प्रतिपादन कीजिए।

6. भारतीय समाज में शक्ति-उपासना पर टिप्पणी लिखिए।

7. बौद्धदर्शन के अनात्मवाद सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

× × × × ×